भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

झारखण्ड बजट
JHARKHAND BUDGET
2013-2014

पी. चिदम्बरम
वित्त मंत्री
का
भाषण

SPEECH
OF
P. CHIDAMBARAM
MINISTER OF FINANCE

मार्च / March, 2013

झारखण्ड बजट
JHARKHAND BUDGET
2013-2014

पी. चिदम्बरम
वित्त मंत्री
का
भाषण

SPEECH
OF
P. CHIDAMBARAM
MINISTER OF FINANCE

मार्च / March, 2013

झारखंड बजट 2013-14

पी. चिदम्बरम

वित्त मंत्री

का भाषण

मार्च, 2013

अध्यक्ष महोदया,

मैं झारखंड राज्य का वर्ष 2013-14 का बजट प्रस्तुत करने जा रहा हूं।

2. झारखंड राज्य का गठन 15 नवंबर, 2000 को हुआ था, जो महान विभूति भगवान बिरसा मुण्डा का जन्म दिवस है। इस राज्य का निर्माण इस क्षेत्र के, और विशेषकर अनुसूचित जनजातियों के लोगों के समग्र सामाजिक और आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए किया गया था। यह राज्य वन और खनिज संसाधनों से भरपूर है। देश का 29 प्रतिशत कोयला और 28 प्रतिशत लौह अयस्क के भंडार झारखंड में पाए जाते हैं, फिर भी इस राज्य के लोग घोर गरीबी में और उपेक्षित जीवन जी रहे हैं।

3. मुझे बेहद अफसोस के साथ यह कहना पड़ रहा है कि 12 वर्ष पहले किए गए वायदे अभी तक पूरे नहीं किए गए हैं। माननीय सदस्य इस राज्य को ग्रस रही बार-बार होने वाली राजनीतिक अस्थिरता, शासन की कमी और संस्थाओं के पतन से अवगत हैं। राष्ट्रपति शासन के पूर्ववर्ती दो चरणों में, जो भी थोड़ा बहुत समय हमें मिला, उसमें हमने अराजकता पूर्ण स्थिति में कुछ व्यवस्था लाने की और राज्य को वापस विकास के पथ पर लाने की कोशिश की है। हमें बहुत थोड़ी सफलता ही मिली है।

4. मैं सदन को आश्वस्त करना चाहूंगा कि मौजूदा बजट, इस राज्य के लोगों तथा इसके सभी भागों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने की दृष्टि से तैयार किया गया है। मैं उम्मीद करता हूं कि जो उपाय हम करने जा रहे हैं, उनसे पुरानी उम्मीदें, आकांक्षाएं और सपने पुनःजागृत होंगे।

राजकोषीय और राजस्व घाटा

5. मैं इस सदन को बताना चाहूंगा कि अन्य अनेक राज्यों के विपरीत झारखंड राजकोषीय विवेक के पथ पर अग्रसर होता प्रतीत होता है। लेकिन ऊपरी तौर पर सुखद दिखाई देता यह परिणाम संसाधन जुटाने में अथवा राज्य को आवंटित संसाधनों को खर्च करने में इसकी असमर्थता का नतीजा है। राजस्व एवं राजकोषीय घाटे के संकेतक राजवित्तीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंध (एफआरबीएम) अधिनियम द्वारा निर्धारित सीमाओं के भीतर हैं। कोई राजस्व घाटा नहीं हुआ है। राजकोषीय घाटा 2011-12 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 1.53 प्रतिशत और चालू वित्त वर्ष में 2.20 प्रतिशत रहा है तथा 2013-14 में 2.39 प्रतिशत रहने का अनुमान है। राज्य पर समग्र

ऋण जीएसडीपी के निर्धारित 25 प्रतिशत की सीमा के भीतर बना हुआ है। मुझे खुश तो होना चाहिए, लेकिन मैं खुश हूं नहीं। ये परिणाम तब हासिल होने चाहिए जब राज्य अपनी आयोजना के लिए संसाधन जुटा सकने में समर्थ हो और अपने आयोजना लक्ष्य प्राप्त कर सके। मुझे आशा है कि यह राज्य अब और भविष्य में बेहतर दिन देखेगा।

राजस्व और पूंजी प्राप्तियां

6. वर्ष 2013-14 में कुल राजस्व प्राप्तियां ₹33,598.90 करोड़ होने का अनुमान है। राज्य का "स्व-कर राजस्व" 17 प्रतिशत की दर पर बढ़ने और इससे ₹10,152.40 करोड़ की प्राप्ति होने का अनुमान है। राज्य के स्व-कर-भिन्न राजस्व से ₹4,167.13 करोड़ मिलने की संभावना है। केंद्रीय करों में राज्य के हिस्से के रूप में ₹9,352.52 करोड़ मिलने का अनुमान है, जो 10 प्रतिशत वृद्धि का द्योतक है। भारत सरकार से ₹9,926.85 करोड़ की अनुदान-सहायता मिलने की संभावना है। राज्य को परक्रामित ऋणों और खुले बाजार उधारों से ₹5,950 करोड़ प्राप्त होने की आशा है।

आयोजना और बजटीय आवंटन

7. वर्ष 2013-14 के लिए कुल आयोजना व्यय ₹19,151.90 करोड़ रहने का अनुमान है। इसमें से, ₹2,351.90 करोड़ भारत सरकार की केन्द्रीय प्लान स्कीमों और केंद्रीय प्रायोजित प्लान स्कीमों से राज्य को प्राप्त होंगे। राज्य आयोजना के क्षेत्रीय आवंटनों का निर्धारण लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने की दृष्टि से किया गया है। मैं, बहुत संक्षेप में इस बजट के कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर कुछ कहूंगा।

सड़क और संपर्क सुविधा

8. झारखंड में सड़क घनत्व राष्ट्रीय औसत के आधे से भी कम है। इस अंतर को पाटने के लिए, हमने राज्य राजमार्गों, मुख्य जिला सड़कों (एमडीआर) और ग्रामीण सड़कों तथा पुलों के निर्माण के लिए ₹2,590 करोड़ आवंटित किए हैं। यह कुल वार्षिक राज्य आयोजना का 13.6 प्रतिशत है। यह धनराशि इस समय चल रही 2,500 कि.मी. की सड़क परियोजनाओं को पूरा करने हेतु और 160 पुलों के निर्माण के लिए इस्तेमाल की जाएगी। इसके अलावा, वर्ष 2013-14 में 1,800 कि.मी. की नई सड़क और 160 नए पुलों की निर्माण परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। यह प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत बनाई जा रही 2,000 कि.मी. की ग्रामीण सड़कों के अतिरिक्त है।

9. राष्ट्रीय राजमार्ग-75 को राष्ट्रीय राजमार्ग-33 के साथ जोड़ने वाली रांची रिंग रोड परियोजना के 23 कि.मी. लंबे खंड के कार्यान्वयन में तेजी लाई जाएगी। 84 कि.मी. की रांची रिंग रोड की दूसरी अस्पष्ट कड़ी वस्तुतः एनएच-33 का उपमार्ग है, जिसके कार्य को पहले ही निर्माण हेतु सौंप दिया गया है। इस खण्ड का निर्माण शीघ्र

ही शुरू होगा। वे दोनों खण्ड एक साथ ही इस महत्वाकांक्षी परियोजना को पूरा करेंगे और प्रांत की राजधानी रांची शहर की जरूरतों को पूरा करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएंगे।

10. 100 कि.मी. डाल्टनगंज-औरंगाबाद एन.एच.- 98 तथा 48 कि.मी. बरही-रजौली एन.एच. 31 का चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण पीपीपी मोड में तेजी से किया जाएगा। इसमें निधियों की कमी को केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों से पूरा किया जाएगा। 2013-14 में एडीबी वित्तपोषण से गोड्डा, पाकुड़, देवघर, गिरिडीह, चाईबासा, लोहरदगा और खूंटी आदि कस्बों के लिए बाई-पास सड़कें स्वीकृत तथा निष्पादित की जाएंगी। वामपंथी अतिवाद से प्रभावित जिलों में सड़क सम्पर्क सुधारने के लिए 2013-14 में सड़क जरूरत योजना-I के तहत 24 में से 22 सड़क परियोजनाएं पूरी की जाएंगी। इसमें ₹805 करोड़ खर्च होगा।

कृषि

11. महोदया, झारखंड की लगभग 66 प्रतिशत आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। यहां के ज्यादातर किसान छोटे, सीमान्त किसान हैं। झारखंड में खेती-बाड़ी, कम उत्पादकता, अम्लीय मिट्टी, ऋण की कम उपलब्धता तथा परती एवं बंजर भूमि की अधिकता की समस्याओं से ग्रस्त है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए हमने कृषि में आवंटन को बढ़ाकर ₹790.85 करोड़ किया है, जिसमें से ₹242.70 करोड़ आरकेवीवाई के लिए अभिनिश्चित किया गया है, जो कि बंजर भूमि के सुधार, उत्पादन बढ़ाने, बीज गावों की स्थापना तथा कृषि अनुसंधान पर खर्च किया जाएगा।

12. गढ़वा तथा गोड्डा में एक-एक कृषि महाविद्यालय; हंसडीहा (दुमका) में डेयरी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, तथा गुमला में मत्स्य-पालन प्रौद्योगिकी महाविद्यालय तैयार हो जाएंगे तथा वित्त वर्ष 2013-14 में इन्हें शुरू करने के सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे।

सिंचाई

13. झारखंड में सिंचाई की क्षमता निवल बोआई क्षेत्र का केवल 25 प्रतिशत है। मैंने विभिन्न बड़ी, मध्यम तथा लघु सिंचाई परियोजनाओं के लिए ₹1,944.60 करोड़ आबंटित किए हैं। इसमें से ₹1,200 करोड़ त्वरित सिंचाई लाभकारी कार्यक्रम (एआईबीपी) के अन्तर्गत सुवर्णरेखा बहुमुखी परियोजना के लिए निश्चित किए गए हैं। इस परियोजना की सिंचाई क्षमता 20,000 हेक्टेयर के मौजूदा स्तर से बढ़ाकर वर्ष 2013-14 में 50,000 हेक्टेयर कर दी जाएगी।

14. ग्यारह सिंचाई परियोजनाएं पूरी कर ली जाएंगी। ये अजय बराज, गुमानी बराज, अपरशंख जलाशय, सुरांगी जलाशय, सोनुआ जलाशय, पंचखेरो जलाशय, रामरेखा जलाशय, नकटी जलाशय, बटाने जलाशय, सुकरी जलाशय और रायसा जलाशय हैं। इनके पूरा होने पर 1.45 लाख हेक्टेयर की अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन हो जाएगा।

15. झारखंड का इलाका छोटी-छोटी मौसमी नदियों से भरपूर है। हम चैकबांधों की एक श्रृंखला बनाकर, उनके दोहन पर भी विचार कर रहे हैं। पहले से शुरू ऐसी 940 परियोजनाएं पूरी की जाएंगी तथा 200 नई लघु सिंचाई परियोजनाएं भी शुरू की जाएंगी। इससे यहां की सिंचाई क्षमता में और 20,000 हेक्टेयर की वृद्धि होगी।

विद्युत

16. विद्युत की उपलब्धता भी एक गंभीर चिंता का विषय है। लगभग 3,000 गावों में अभी भी बल्ब जलना बाकी है। इन गांवों के लोग स्वतंत्रता के 66 वर्षों के बाद भी अंधेरे में रह रहे हैं। ट्रांसमिशन की हानि बहुत ज्यादा है और वह 36 प्रतिशत है। घटिया ट्रांसमिशन नेटवर्क भी गंभीर चिंता का विषय है।

17. इस पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए, हमने विद्युत क्षेत्र को ₹1,001 करोड़ आवंटित किए हैं। केवल ट्रांसमिशन परियोजनाओं के निष्पादन के लिए ₹565 करोड़ चिन्हित किए गए हैं। आरजीजीवीवाई परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन के अलावा 1,241 गांवों के विद्युतीकरण की चालू स्कीमों को 2013-14 में पूरा कर लिया जाएगा। हम शेष 909 गांवों के विद्युतीकरण हेतु परियोजनाओं की स्वीकृति का प्रस्ताव भी रखते हैं।

18. मैंने विद्युत क्षेत्र में सुधारों के लिए एक कार्य सूची निर्धारित की है। झारखंड राज्य विद्युत बोर्ड (जेएसईबी) को समाप्त किया जाएगा और देनदारी से मुक्त उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण वाली नई कंपनियां स्थापित की जाएंगी। विद्युत वित्त निगम, जो एक केंद्रीय पब्लिक सेक्टर उपक्रम है, इस काम में लगा है और विद्यमान डिस्काम जेएसईबी के वित्तीय पुनर्निर्माण का ध्यान रखने के लिए साधनों का पता लगाया जाएगा। पतरातू-कोडरमा 400 केवी, कोडरमा-गिरिडीह 220 केवी, तेनुघाट-हजारीबाग 220 केवी तथा दुमका-गोड्डा 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन परियोजनाएं अर्थक्षमता अंतराल के वित्तपोषण के साथ पीपीपी प्रणाली में कार्यान्वित की जाएंगी।

19. रांची, जमशेदपुर तथा 14 ग्रामीण सर्किलों के लिए पहले से ही नियुक्त की गई वितरण फ्रैंचाइजियों को देवघर, हजारीबाग, बोकारो और धनबाद शहरों तथा 12 और अधिक ग्रामीण सर्किलों तक विस्तारित किया जाएगा। पतरातू ताप विद्युत केन्द्र, जो एक राज्य प्रतिष्ठान है, में केस-II बोली लगाने के आधार पर 1,320 मेगावाट के विस्तार की परियोजना पर तेजी से कार्य किया जाएगा। मुझे आशा है कि उपयुक्त उपायों के परिणामस्वरूप विद्युत क्षेत्र की स्थिति में पर्याप्त सुधार होगा।

पेयजल

20. राज्य अपने नागरिकों को सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। केवल 62 प्रतिशत बसावटों को सुरक्षित पेयजल स्रोत उपलब्ध कराए गए हैं। पाइप वाले जल की आपूर्ति की सुविधा केवल 3.7 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या को ही उपलब्ध है। मैंने ग्रामीण जलापूर्ति स्कीम के लिए ₹360 करोड़ तथा शहरी जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए ₹65 करोड़ आवंटित किए हैं।

21. 2013-14 में 50 चालू ग्रामीण पाइप वाली जलापूर्ति परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा तथा ऐसी 60 नई परियोजनाओं को स्वीकृत किया जाएगा। पुरानी शहरी जल परियोजनाओं के सुदृढ़ीकरण और उन्नयन के अतिरिक्त चक्रधरपुर, फुसरो, सरायकेला, बुंडु, हजारीबाग, गोड्डा और मेदिनीनगर कस्बों के लिए नई जलापूर्ति परियोजनाएं स्वीकृत और पूरी की जाएंगी। इस क्षेत्र के लिए अतिरिक्त संसाधन केन्द्रीय प्रायोजित विश्व बैंक परियोजना के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे जिसमें झारखंड भी एक सहभागी राज्य है।

स्वास्थ्य

22. झारखंड के स्वास्थ्य संकेतक बहुत कमजोर हैं। इस स्थिति में सुधार केवल प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को सुदृढ़ करके ही हो सकता है। मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) अब 261 प्रति लाख के स्तर पर है। इसे कम किए जाने की जरूरत है। अस्पतालों में प्रसव करवाने की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार अपेक्षित हैं। हम इस क्षेत्र में बड़े अवसंरचनात्मक अंतर को पाटने के लिए ₹776.23 करोड़ आवंटित कर रहे हैं। रांची स्थित 500 बिस्तर वाले अस्पताल, जिसका भवन लगभग बन चुका है, पीपीपी तरीके से कार्यचालित किया जाएगा जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम को पहले ही परामर्शी के रूप में निजी क्षेत्र के भागीदार की खोज करने के लिए लगाया गया है।

शिक्षा और कौशल विकास

23. यह राज्य अभी भी विद्यार्थियों द्वारा स्कूल छोड़ने की उच्च दर, घटिया स्तर के शिक्षकों और स्कूली शिक्षा से वंचित रह गए बच्चों की समस्याओं से जूझ रहा है। मैं इन और इनसे जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए ₹2,069.52 करोड़ आवंटित करने का प्रस्ताव करता हूं।

24. इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री लक्ष्मी लाडली योजना, जिसकी शुरूआत बालिकाओं के स्वास्थ्य और शैक्षिक मुद्दों के समाधान के लिए पिछले वर्ष की गई थी, ₹151 करोड़ के आवंटन से जारी रखी जाएगी।

25. 20 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जिनके भवन तैयार हैं, पीपीपी तरीके से अगले वर्ष कार्य करना शुरू कर देंगे। निजी भागीदारों की पहचान कर ली गई है। सात पालीटेकनिकों का निर्माण कार्य चल रहा है और राज्य सरकार ने ₹20 करोड़ प्रत्येक की लागत पर 13 और ऐसी परियोजनाओं को पहले ही अनुमोदित कर दिया है जिन्हें केंद्रीय सरकारी क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों द्वारा पूरा किया जाएगा। इन 20 परियोजनाओं को अब तक कवर न किए गए जिलों/क्षेत्रों नामतः गढ़वा, चांडिल, बहरागोड़ा, जगन्नाथपुर, महेशपुर (पाकुड़), गोला (रामगढ़), गुमला, गिरिडीह, गोड्डा, साहेबगंज, लोहरदगा, चतरा, पलामू, जामताड़ा, खूंटी, सिमडेगा, दुमका, हजारीबाग, देवघर और निरसा (धनबाद) में तेजी से चलाया जाएगा ताकि अधिकांश निर्माण कार्य 2013-14 में पूरा हो जाए।

26. चाईबासा, दुमका और रामगढ़ स्थित तीन इंजीनियरी महाविद्यालय और सिल्ली स्थित एक पोलिटेकनिक अपने पहले दाखिले 2013-14 में शुरू कर देंगे।

अ.ज.जा./अ.जा./अ.पि.व./अल्पसंख्यकों का कल्याण

27. राज्य में जनजातीय आबादी काफी अधिक है। विभिन्न विभागों ने अलग अलग और समुदायिक आधार पर जनजातीय आबादी की जरूरतें पूरी करने के लिए बजटीय प्रावधान किए हैं। इसके अतिरिक्त, मैं अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित जातियों, अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्गों के सीधे फायदे व कल्याण के लिए योजनाएं शुरू करने हेतु ₹1,009.29 करोड़ के आवंटन का प्रस्ताव करता हूँ। यह राशि, मुख्यतया अवसंरचना निर्माण, क्षमता निर्माण, कौशल विकास, आजीविका संवर्धन और पिछड़े व वंचित वर्गों में मानव विकास संकेतकों का सुधार करने पर लक्षित योजनाओं पर व्यय की जाएगी।

बजट अनुमान

28. अब मैं 2013-14 के बजट अनुमानों की बात करूंगा।

29. आयोजना व्यय के लिए ₹19,151.90 करोड़ का अनुमान है, जो ₹39,548.90 करोड़ के कुल अनुमानित व्यय का 48.43 प्रतिशत है।

30. आयोजना-भिन्न व्यय ₹20,397 करोड़ होने का अनुमान है। इसमें बिहार राज्य को देय दीर्घकाल से लंबित पेंशन के भुगतान हेतु ₹510 करोड़ शामिल हैं। दामोदर घाटी निगम की बकाया देय राशि के भुगतान हेतु ₹500 करोड़ की राशि भी प्रदान की गई है।

31. अध्यक्ष महोदया, मैं झारखंड राज्य के वर्ष 2013-14 का वार्षिक वित्तीय विवरण और अनुदानों की मांगें प्रस्तुत कर रहा हूँ।

Jharkhand Budget 2013-2014

Speech of

P. Chidambaram

Minister of Finance

March, 2013

Madam Speaker,

I rise to present the Budget of Jharkhand State for the year 2013-14.

2. The State of Jharkhand was created on 15th November, 2000, the birth anniversary of the legendary Bhagwan Birsa Munda to ensure all round social and economic development of the area and especially of the people belonging to the Scheduled Tribes. The State has a rich endowment of forest and mineral resources. 29% of the country's coal and 28% of iron ore deposits are found in Jharkhand. Yet the people of this State continue to live in abject poverty and neglect.

3. It is with deep regret that I am constrained to say that the promises made 12 years ago remain unfulfilled. Hon'ble Members are aware of the recurrent political instability, governance deficit and collapse of institutions that have plagued the State. In the previous two stints of President Rule, we tried, in whatever little time we got, to bring some order in a chaotic situation and put the State back on the path of development. We achieved only limited success.

4. I would like to assure the House that the present budget has been formulated with a view to ensure over all development of the people and all the parts of the State. I hope the measures that we intend to take will revive old hopes, aspirations and dreams.

Fiscal & Revenue Deficit

5. I may inform this House that the State of Jharkhand, unlike many other States, appears to be on the path of fiscal prudence. But this apparently happy outcome is the result of the State's inability to raise resources or spend the resources allocated to it. The indicators of Revenue and Fiscal Deficits are within the limits prescribed by the FRBM Act. There is no Revenue Deficit. The Fiscal Deficit was 1.53% of GSDP in 2011-12, 2.20% in the current fiscal and projected to be 2.39% in 2013-14. The overall debt of the State continues to remain within the stipulated 25% of the GSDP. I should be happy, but I am not. These outcomes should be achieved after the State has been able to raise resources for the Plan and achieve its Plan targets. I hope the State will see better days now and in the future.

Revenue & Capital Receipts

6. The total Revenue Receipts for 2013-14 have been projected to be ₹33,598.90 crore State's Own Tax Revenue is expected to grow at 17% and yield ₹10,152.40 crore State's Own Non-Tax Revenue is expected to provide ₹4,167.13 crore Share in Central Taxes has been projected at ₹9,352.52 crore, an increase of 10%. The Grants-in-Aid from Government of India are expected to be ₹9,926.85 crore The State is expected to get ₹5,950 crore from Negotiated Loans and Open Market Borrowings.

The Plan & Budgetary Allocations

7. The total Plan Expenditure for the year 2013-14 is estimated to be ₹19,151.90 crore Out of this ₹2,351.90 crore will flow to the State from Central Plan Schemes and Centrally Sponsored Plan Schemes of the Government of India. The sectoral allocations of the State Plan have been determined keeping in view the felt needs of the people and with a view to give a boost to the developmental activities in the thrust areas. I would, very briefly, like to touch upon some of the thrust sectors of this budget.

Roads & Connectivity

8. The road density in Jharkhand is less than half of the National Average. In order to bridge this gap, we have allocated ₹2,590 crore, which is 13.6% of the total Annual State Plan, for construction of State Highways, MDRs, and Rural Roads and Bridges. This money will be used to complete 2,500 Km of ongoing road projects and 160 bridges. Besides, 1,800 Km new road and 160 new bridge projects will be taken up in 2013-14. This is over and above 2,000 Km rural roads to be built under PMGSY.

9. The execution of 23 Km long segment of Ranchi Ring Road project connecting NH-75 with NH-33 to be fast tracked. The other missing link of 84 Km Ranchi Ring

Road is actually the bye-pass of NH-33, this work already stands awarded. The construction of this section will start very shortly. The two segments together will complete this ambitious project and will go a long way in serving the needs of the capital city, Ranchi.

10. Widening and strengthening of 100 Km Daltonganj-Aurangabad NH-98 and 48 Km Barhi-Rajuali NH-31 will be expedited for execution in PPP Mode with Viability Gap Funding from Central and State Governments. By-pass roads for the towns of Godda, Pakur, Deoghar, Giridih, Chaibasa, Lohardaga and Khunti will be sanctioned and executed in 2013-14 with ADB funding. To improve connectivity in LWE-affected Areas, 22 out of 24 road projects under Road Requirement Plan-I will be completed in 2013-14 involving an expenditure of ₹805 crore.

Agriculture

11. Madam, nearly 66% of Jharkhand's population is still dependent upon Agriculture for their livelihood. The majority of the farmers are small and marginal farmers. Agriculture in Jharkhand is affected by problems of low productivity, acidic soil, poor credit flow and huge traits of fallow and waste land. Keeping these issues in mind, we have enhanced allocation for agriculture to ₹790.85 crore. Out of this ₹242.70 crore is earmarked for RKVY, which will be used for the implementation of schemes for reclamation of waste land, productivity enhancement, setting up of seed villages and agricultural research.

12. Two Agriculture Colleges at Garhwa and Godda; College of Dairy Technology at Hansdiha (Dumka); and College of Fishery Technology at Gumla will be completed and necessary steps will be taken up to make them functional in the financial year 2013-14.

Irrigation

13. The irrigation potential in Jharkhand is only 25% of the Net Sown Area. I have allocated ₹1,944.60 crore to implement various major, medium & minor irrigation projects. Out of this ₹1,200 crore is earmarked for Subarnrekha Multipurpose Project under Accelerated Irrigation Benefit Programme (AIBP). The irrigation potential of this project will be enhanced to 50,000 hectares in 2013-14 from the existing level of 20,000 hectares.

14. Eleven irrigation projects will be completed. They are Ajay Barrage, Gumani Barrage, Uppershankh Reservoir, Surangi Reservoir, Sonua Reservoir, Panchkhero Reservoir, Ramrekha Reservoir, Nakti Reservoir, Batane Reservoir, Sukari Reservoir and Raisa Reservoir. Upon completion, we would have created additional irrigation potential of 1.45 lakh hectares.

15. The terrain of Jharkhand is also full of small seasonal rivulets. We intend to exploit their potential by constructing a series of cascading check-dams. 940 such ongoing projects will be completed. 200 new minor irrigation projects will also be taken up. This will enhance irrigation potential by another 20,000 hectares.

Power

16. Availability of power is a matter of serious concern. A bulb is yet to glow in nearly 3,000 villages whose inhabitants live in darkness even after 66 years of independence. Transmission losses are as high as 36%. Poor transmission network is an area of serious concern.

17. With this background in mind, we have allocated ₹1,001 crore for the Electricity sector. ₹565 crore has been earmarked for the execution of transmission projects alone. Besides, fast execution of RGGVY projects, ongoing schemes for electrification of 1241 villages will be completed in 2013-14. We also propose to sanction projects for electrification of the 909 left over villages.

18. I have also set an agenda for reforms in the Power sector. The Jharkhand State Electricity Board (JSEB) will be unbundled and new liability-free generation, transmission and distribution companies will be set up. Power Finance Corporation, a CPSU, is on the job and means will be found to take care of the financial restructuring of the existing DISCOM, which is JSEB. Patratu-Koderma 400 KV, Koderma-Giridih 220 KV, Tenughat-Hazaribagh 220 KV and Dumka-Godda 400 KV Transmission Line Projects will be implemented in PPP Mode with Viability Gap Funding.

19. The distribution franchises, which have already been appointed for the city of Ranchi, Jamshedpur and 14 rural circles, will be extended to the cities of Deoghar, Hazaribagh, Bokaro and Dhanbad and 12 more rural circles. The project for expansion of Patratu Thermal Power Station, a State entity, by 1,320 MW on Case-II bidding basis will be put on fast track. I hope the situation in the power sector will improve substantially as a result of the above measures.

Drinking Water

20. The State is committed to provide safe & potable drinking water to its citizens. Only 62% of habitations have been provided with a safe potable water source. The facility of piped water supply is available only to 3.7% of the rural population. I have allocated ₹360 crore for rural water supply scheme and ₹65 crore for urban water supply projects.

21. 50 ongoing rural piped water supply projects will be completed and 60 new such projects will be sanctioned in 2013-14. Besides strengthening and up-gradation of old urban water projects, new water supply projects for Chakradharpur, Phushro,

Saraikela, Bundu, Hazaribagh, Godda and Medininagar towns will be sanctioned and executed. Additional resources for this sector will be made available through a centrally-sponsored World Bank Project in which Jharkhand is a participating State.

Health

22. The health indicators of Jharkhand are very poor. Improvements can be achieved only by strengthening the primary health care system. MMR, which is now at 261 per lakh needs to be reduced. Institutional delivery requires to be significantly improved. We are allocating ₹776.23 crore to bridge the critical infrastructural gaps in this sector. The 500 Bedded Hospital at Ranchi, the building for which is nearly complete, will be made functional on PPP mode for which International Finance Corporation (IFC) has already been engaged as a consultant to find a private sector partner.

Education & Skill Development

23. The State is still grappling with the problems of high dropout rate, poor quality of instructors and out-of-school children. I propose to allocate ₹2,069.52 crore to address these and related issues.

24. Besides, the Mukhyamantri Laxmi Ladli Yojana which was conceived last year to address the health and educational issues of the girl child will be continued with an allocation of ₹151 crore.

25. The 20 Industrial Training Institutes, buildings for which are complete, will be made operational next year under PPP mode. The private partners have been identified. Construction of seven polytechnics is underway and the State Government has already given approval for 13 more such projects costing ₹20 crore each to be executed by various CPSUs. These 20 projects, in hitherto uncovered districts/areas namely Garhwa, Chandil, Bahragora, Jaganathpur, Maheshpur (Pakur), Gola (Ramgarh), Gumla, Giridih, Godda, Sahebganj, Lohardaga, Chatra, Palamu, Jamtara, Khunti, Simdega, Dumka, Hazaribagh, Deoghar and Nirsa (Dhanbad) will be put on fast track so that the substantial part of the construction is completed in 2013-14.

26. The three engineering colleges at Chaibasa, Dumka and Ramgarah and one polytechnic at Silli, will start their first admissions in 2013-14 .

Welfare of ST/SC/OBC/Minority

27. The State has a large tribal population. Different departments have made budgetary provisions to meet the needs of the tribal population on individual and community basis. Apart from this, I propose to allocate ₹1,009.29 crore to take up schemes for the direct benefit and welfare of the Scheduled Tribes, Schedule Caste, Minority and Backward Classes. This amount will be spent mainly for the execution

of schemes aimed at infrastructure creation, capacity building, skill development, promotion of livelihood, and improvement of human development indicators among the backward and disadvantaged groups.

Budget Estimates

28. I shall now turn to the Budget Estimates for 2013-14.

29. The estimate of Plan Expenditure is ₹19,151.90 crore, which is 48.43% of the total estimated expenditure of ₹39,548.90 crore.

30. Non-Plan Expenditure is estimated at ₹20,397 crore This includes ₹510 crore meant for payment of long-pending pension dues to the State of Bihar. A sum of ₹500 crore has also been provided for payment of outstanding dues of Damodar Valley Corporation.

31. Madam Speaker, I place the Annual Financial Statement and Demands for Grants for the year 2013-14 for the State of Jharkhand.